

कक्षा आठवीं

पूर्णांक : 85

विषय हिन्दी

खण्ड क (25)

1. अपठित गद्यश्लोक 5
2. पठित पद्यश्लोक 10
3. पठित गद्यश्लोक 5
4. पठित पद्यश्लोक की सप्रसंग व्याख्या 5

खण्ड - ख (16)

5. पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्न - 10
(वैकल्पिक-3)
6. भारत की खोज पुस्तक पर आधारित प्रश्न - 6

खण्ड - ग (22)

7. हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न - 20
8. लघु प्रश्न व्याकरण आधारित - 12
9. निबन्ध लेखन - 7
भाग-घ (12)
10. पत्र लेखन - 5

रोल नं.
समय : 3 घण्टे
नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न को सही भाव प्रथम से ही पूरा साथ करें। सभी प्रश्नों को अंग साधने दिए गए हैं।

संस्कृत भाषा की
हिन्दी

संस्कृत भाषा की
पूर्णांक 85

- प्र० 1. उपरिष्ठित मर्दाना को पढ़कर निम्न प्रश्नों को उत्तर दें :- (5)
- नैतिक और सामाजिक मूल्यों को समाज में प्रतिष्ठित करने को लिए निम्नलिखित योगदान से कार्य करना होता है। सामाजिक मूल्यों में सभ्य संस्कारों को प्रवर्धन और विकसित करना शामिल होता है। सामाजिक मूल्यों में सभ्य शिक्षण के दौरान जीवन में जैसे मूल्यों को अपनाया जाता है प्रवर्धन में वे ही हमारे व्यक्तित्व को अंग बन जाते हैं। इसी प्रकार को पुरातनकाल के अर्थ में मूल्यों को प्रवर्धन में वे ही हमारे व्यक्तित्व को अंग बन जाते हैं। नैतिक शिक्षा संस्कृतिक दृष्टिकोणों से मुक्ति दिलाने का साधन है न कि पारंपरिक मनुष्य में कार्य करने का। इन्हें निहित स्वार्थ की पूर्ति को प्रति ही सम्बन्धित हो जाने को कारण कहते हैं। अतः शिक्षा को अनुकरणीय अवर्ग बन कर सभी मानव-समाज को निर्माण में राजसात्मक योगदान देना होगा अन्यथा नैतिकता को विना हमारी भौतिक प्रगति व्यर्थ ही रहती है।

- ① श्रद्धांश का उपयुक्त शीर्षक दो।
- ② किस अवस्था में संस्कारों को विकसित करना सरल होता है?
- ③ मनुष्य-वाहने पर भी बुरे संस्कारों से छुटकारा क्यों नहीं पा सकता है?
- ④ सुखद और सभ्य संस्कारों को मनुष्य की किस अवस्था में विकसित किया जा सकता है?
- ⑤ (अ) बुढ़ापे में (ब) बाल्यकाल में (ख) जवानी में आज मानव, मानव से क्यों अलग है।-
- (क) अपनेपन के कारण (ख) परायेपन के कारण
- (ग) भाईचारे के कारण (द) निहित स्वार्थ के कारण

- प्र० 2. नीचे लिखे पद्यांश को पढ़कर इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 2 = 10$

जाति न पूछे साथ की, पूछ लीजिए म्यान।

मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कबीर ने क्या न पूछने की बात कही है ?

(ग) कबीर ने दूसरों से क्या पूछने के लिए कहा है ?

(घ) कबीर ने क्या शिक्षा दी है ?

(ङ) तलवार का मोल क्यों नहीं करना चाहिए ?

प्र. 3. • पठित भागों को पढ़कर निम्न प्रश्नों को उत्तर दें। - (4x5)

बदलू का कार्य क्या ही एक मछियों पर चढ़कर किया करता था जो बहुत ही पुरानी थी। काल में ही उसका मुँहका रस रसता जिसे वह खीच-धीच में पीता रहता। बीच में गेरा मोचलर का सम्यग अधिकतर बदलू को पारा बीसता। वह मुझे 'लला' कहा करता और भेरे पहुँचते ही भेरे लिए तुल्ल एक मछिया गंगा गेता। नै छपटों चैठे-चैठे उसे इस प्रकार चूड़ियाँ बनाने देखता रहता। लगभग सैरा ही यह चार-छह जोड़े चूड़ियाँ बनाता। पूरा जोड़ा बना लेने पर वह उसे बेलन पर चढ़ाकर कुछ क्षण चुपचाप देखता रहता मानो वह बेलन में होकर कितनी नव-उधु जी जलाई हो।

- 1) पाठ और लेखक का नाम लिखो।
- 2) बदलू 'लला' किसको कहकर पुकारता था?
- 3) बदलू कौन था?
- 4) चर्मकार (i) सुनार
- (ii) चूड़ियाँ बनाने वाला (iii) लौहार
- 5) बदलू हर रोज कितने जोड़े चूड़ियाँ बनाता था?
- 6) बदलू अपना कार्य कहाँ करता था?

प्र. 4 • निम्नलिखित पद्यांश को सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

मैया, कबहीं बड़ेगी चोटी ?
 कितनी बार मोहिं दूध पियात भई, यह अजई है छोटी।
 तू जो कहति बल की बेनी, ज्यों हीहे लौथी-चोटी।
 काढ़त-गुह्त न्हावत जैहै, नागिन सी भुईं लोटी।
 काँची दूध पियावत पचि-पचि, देति न माखन-रोटी।
 सूरज धरजीकी दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी।

भाग ख

प्रश्न-5. पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित 5x2=10 प्रश्नों के उत्तर दो। - (कोई एक प्रश्न)

- 1) कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उलका अन्न अभी नहीं होगा?
- 2) क्षोषों का पर्दाफाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?
- 3) धायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ?
- 4) गवरइया की टोपी पर पाँच फुदने क्यों जड़ दिए?
- 5) लेखक को जोस की बूँद क्यों मिली?
- 6) बच्चों के उद्यम मयाने के कारण घर की क्या →

प्रश्न-6. (भारत में खेल) पाठ्य पुस्तक पर आधारित ③
प्रश्नों के उत्तर दो - (कोई तीन) $3 \times 2 = 6$

- 1) सिंधु घाटी सभ्यता का अंत कैसे हुआ?
- 2) अंग्रेज सरकार शिक्षा के प्रसार को जापसन्द क्यों करती थी?
- 3) लेखक के अनुसार भारत माता का स्वरूप कैसा है?
- 4) औरतों के पर्दे में अलग-थलग रहने से सामाजिक जीवन के विकास में रुकावट कैसे आई?

भाग - 2

प्रश्न-7. (क) लिंग बदलो - $(4 \times \frac{1}{2} = 2)$

जर, भगवान, लेखक, शिक्षक

(ख) वचन बदलो - $(4 \times \frac{1}{2} = 2)$

भापी, सुहिमा, रात, कपड़े

(ग) पर्यायवाची शब्द लिखो (कोई दो) - $(2 \times 1 = 2)$

घर, आकाश, पृथ्वी

(घ) किन्हीं दो उपसर्गों के दो-दो शब्द बनाओ -
 $(2 \times 1 = 2)$

अज, प्राप्ति, प्र

(ङ) निम्नलिखित शब्दों की लंघि नीनिए -
(कोई दो)

1) अग्नि + इंद्र 2) सन् + चरित्र $(2 \times 1 = 2)$
3) निः + पक्ष

(च) किन्हीं दो वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखो -
 $(2 \times 1 = 2)$

- 1) जो परीक्षा में पास न हो
- 2) जो प्रतिदिन होता है
- 3) जो ईश्वर को मानता हो

(द) किन्हीं दो सामासिक शब्दों का विग्रह का समास का नाम लिखो - (2x1=2)

यथाशक्ति, दाल-रोटी, राजपुत्र, दशानन
(क) लिपि किसे कहते हैं? (2)

(ख) शब्दों को उनके शुद्ध रूप में लिखो - (2x1=2)
(1) आसीरवाद (2) रितु (3) प्रमाला

(ग) सर्वनाम किसे कहते हैं? उदाहरण लीख लिखो (2)

प्रश्न-8I रेखांकित शब्दों को निर्देशानुसार बदलकर लिखो। (4x1=4)

(क) दूर के दृश्य सुबसूरत दिखते हैं।
(विलीन शब्द)

(ख) शिमला हिमाचल की राजधानी है।

(ग) रमेश फल खाता है? (संबन्ध शब्द लिखो)
(हिमाचल प्रदेश)

(घ) शेमा बड़ी चतुर है? (विशेषण शब्द द्वांये)

प्रश्न-8II किन्हीं दो अहाकारों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ - (2x2=4)

कलम तोड़ना, अर्धे में लकड़ी, टेढ़ी खीर

प्रश्न-8III किन्हीं ~~दो~~ शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो - (1x4=4)

असीम, उजागर, चाक, जाजूक, पैतृक,
यकीन, वसुधा

भाग - छ

6

प्रश्न - 9. किसी एक विषय पर निबन्ध लिखो -

जल संकट, दशहरा, पर्यावरण प्रदूषण (7)

प्रश्न - 10. अपने जगह स्वास्थ्य अधिकारी को सफाई की व्यवस्था के लिए शिकायती पत्र लिखो।

(5)

अथवा

अपने विद्यालय के मुख्याध्यापक को अपने भाई की शादी के कारख अक्काश के लिए प्रार्थना पत्र लिखो।

ClassResult.in

① सुवीण मल्होत्रा — वसु

② विकास कालिया → विक्रम

क्रम संख्या	कोड	सीखने के प्रतिफल
		पढ़ते
1	HS01	विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई मलीम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।
2	HS02	हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपूर्ण सामग्री, इन्टरनेट, ब्लॉक पर छपने वाली सामग्री आदि) को पढ़कर समझते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, टिप, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त
3	HS03	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।
4	HS04	अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं।
5	HS05	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं।
6	HS06	विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे- अपने मोहल्ले के लोगों से खूबतर घनाने के तरीके से बातचीत करना।
7	HS07	किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे- अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं- रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती ?
8	HS08	विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्टाज, संस्मरण, निबंध, ब्यांग आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की शारीरी से जांच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।
9	HS09	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।
10	H810	विभिन्न घटन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तिओं को समझते हुए उनकी सहायता करते हैं।
11	H811	कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णात्मक, विषयमात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।
12	H812	विभिन्न घटन सामग्रियों में को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सहायता करते हैं और अपने स्वरानुसार मौखिक, लिखित, ग्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।
13	H813	किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए अकसर पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त सन्दर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इन्टरनेट या अन्य पुरतकों की मदद लेते हैं।
14	H814	अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
15	H815	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ग्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
16	H816	भाषा की शारीरिकीय /व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे- कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।
17	H817	विभिन्न अवसरों/सन्दर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।
18	H818	अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं, लेखन के विभिन्न तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे- विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव।
19	H819	दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे- सोशल मीडिया पर, सोटयुक्त पर या संपादक के नाम पर आदि।
20	H820	विभिन्न कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, छोटी-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (गिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे- कला के बीज बोना, मनमोहक मुरार, रस की अनुभूति।
21	H821	अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
22	H822	अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि।
23	H823	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ग्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।